

- पश्चिमी विक्षोभ, उत्तरी पाकिस्तान एवं निकटवर्ती जम्मू-कश्मीर के ऊपर माध्य समुद्र तल से 3.1 से 7.6 किमी ऊँचाई के मध्य चक्रवातीय परिसंचरण के रूप में अवस्थित है। इससे सम्बद्ध ट्रफ़ उच्च क्षोभमंडलीय पछुआ पवनों के बीच माध्य समुद्र तल से 9.1 किमी की ऊँचाई पर 72 डिग्री पूर्वी देशांतर व 15 डिग्री उत्तरी अक्षांश के उत्तर में विस्तृत है।
- दक्षिणी हरियाणा एवं निकटवर्ती क्षेत्रों के ऊपर माध्य समुद्र तल से 1.5 किमी की ऊँचाई पर चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय है।
- उतर भारत के ऊपर माध्य समुद्र तल से 12.6 किमी की ऊँचाई पर 203 किमी प्रति घंटा की गति से उपोष्ण जेट स्ट्रीम हवाएँ बह रही हैं।
- उत्तरी कोंकण, पूर्वी गुजरात, मध्य राजस्थान से होते हुए पंजाब तक माध्य समुद्र तल से 0.9 किमी की ऊँचाई पर ट्रफ़ विस्तृत है।
- दिनांक 3 जनवरी को अगले नवीन पश्चिमी विक्षोभ द्वारा पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करने की सम्भावना है।

- The Western disturbance as a cyclonic circulation over North Pakistan and adjoining Jammu & Kashmir persists and now seen between 3.1 & 7.6 km above mean sea level with a trough aloft in upper tropospheric westerlies with its axis at 9.1 km above mean sea level runs roughly along Long. 72°E to the north of Lat. 15°N.
- The induced cyclonic circulation lies over south Haryana & neighbourhood at 1.5 km above mean sea level.
- Subtropical westerly Jet Stream with core winds of the order upto 203 kmph at 12.6 km above mean sea level continues to prevail over North India.
- A trough in easterlies runs from North Konkan to Punjab across central parts of Rajasthan and eastern Gujarat region at 0.9 km above mean sea level.
- Another fresh western disturbance in succession is likely to affect western Himalayan region from 03rd January.

मौसम का पूर्वानुमान (Weather Forecast & Warnings) दिनांक 28.12.2024 की प्रातः 8:30 से 29.12.2024 की प्रातः 8:30 तक वैध

चेतावनी (Warning)	स्थानिक वितरण	जिले
वज्रपात / झंझावात / झोकेदार हवाएँ (40-50 किमी/घंटा) / ओलावृष्टि	कहीं कहीं	रीवा, मऊगंज, कटनी, सिवनी, मंडला, बालाघाट, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ जिलों में।
वज्रपात / झंझावात / झोकेदार हवाएँ (30-40 किमी/घंटा) / ओलावृष्टि	कहीं कहीं	विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, देवास जिलों में।
वज्रपात / झंझावात / झोकेदार हवाएँ (30-40 किमी/घंटा)	कहीं कहीं	भोपाल, सिहोर, राजगढ़, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, शाजापुर, आगर जिलों में।
वज्रपात / झंझावात	कहीं कहीं	गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, सतना, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पन्ना, दमोह, निवाड़ी, मेहर, पांडुर्णा जिलों में।

मौसम का पूर्वानुमान (Weather Forecast & Warnings) दिनांक 29.12.2024 की प्रातः 8:30 से 30.12.2024 की प्रातः 8:30 तक वैध

चेतावनी (Warning)	स्थानिक वितरण	जिले
मध्यम कोहरा	कुछ स्थानों पर	मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां जिलों में।

मौसम का पूर्वानुमान (Weather Forecast & Warnings) दिनांक 30.12.2024 की प्रातः 8:30 से 31.12.2024 की प्रातः 8:30 तक वैध

चेतावनी (Warning)	स्थानिक वितरण	जिले
मध्यम कोहरा	कुछ स्थानों पर	मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां जिलों में।

मौसम का पूर्वानुमान (Weather Forecast & Warnings) दिनांक 31.12.2024 की प्रातः 8:30 से 01.01.2025 की प्रातः 8:30 तक वैध

चेतावनी (Warning)	स्थानिक वितरण	जिले
मध्यम कोहरा	कुछ स्थानों पर	मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, जिलों में।

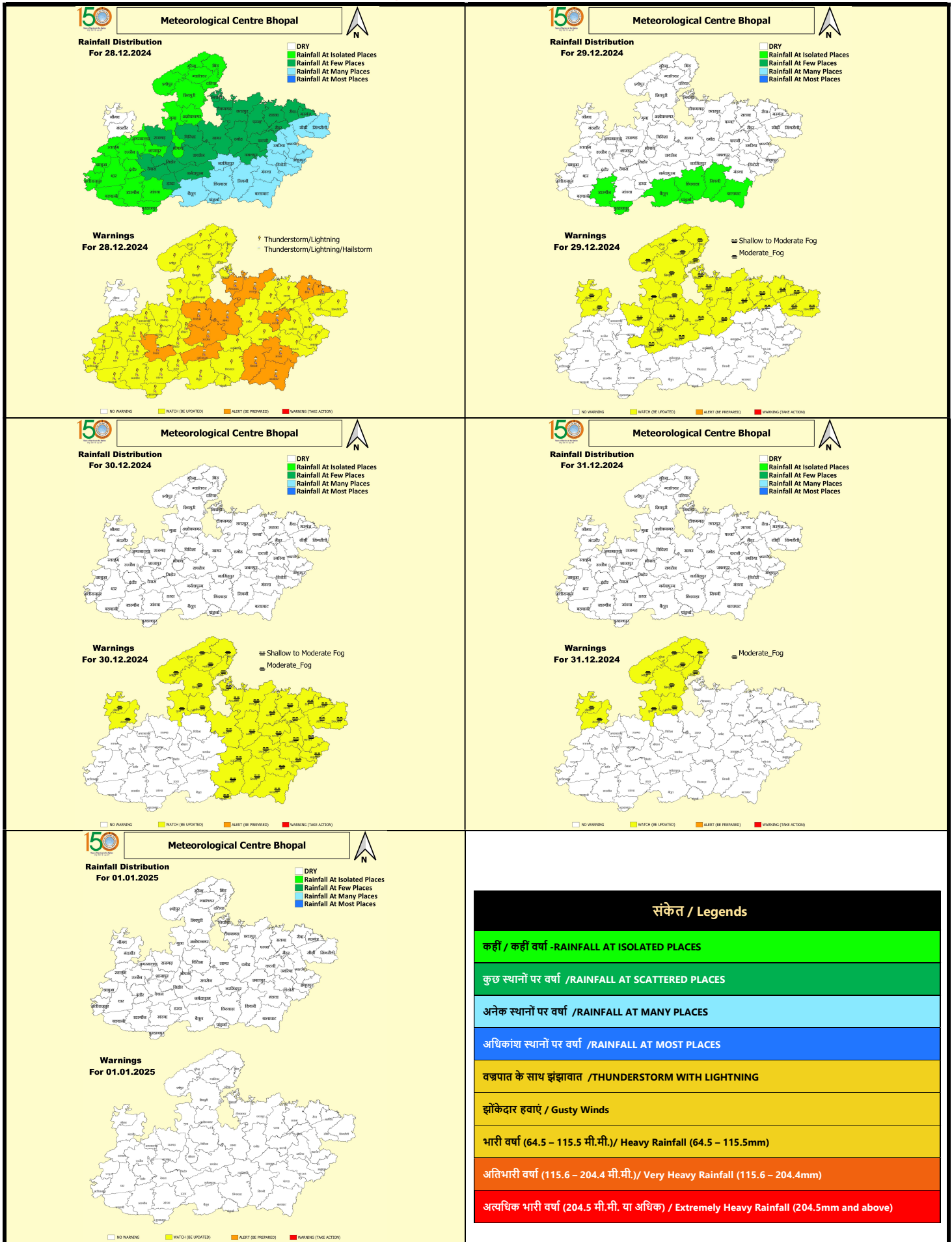
डॉ. दिव्या ई. सुरेन्द्रन / Dr. Divya E. Surendran

वैज्ञानिक - डी (पूर्वानुमान अधिकारी) / Scientist-D (Forecasting Officer)

मौ. के. भोपाल / M. C. Bhopal

28 दिसंबर 2024 से 01 जनवरी 2025 के मध्य मौसम पूर्वानुमान एवं चेतावनियां

Weather Forecast And Warnings from 28 December 2024 to 01 January 2025



सुझाये गए कार्य-

- लम्बे समय तक शीत के सम्पर्क में रहने से मस्तिष्क को गंभीर क्षति हो सकती है इस अवस्था को हाइपोथर्मिया कहा जाता है। इसके कारण शरीर में गर्मी के हास से कंपकपी, बोलने में दिक्कत, अनिद्रा, मांसपेशियों में अकड़न, सांस लेने में दिक्कत/निश्चतन की अवस्था हो सकती है। ऐसी अवस्था में तत्काल चिकित्सीय सहायता ले।
- ठंड के मौसम में आपकी त्वचा, हाथ-पैरों की अंगुलियों में रक्त वाहिकाएँ संकीर्ण हो जाती हैं, इसलिए कम गर्मी के कारण हृदय गति बढ़ जाती है और हृदय के लिए आपके शरीर में रक्त पंप करना कठिन हो जाता है। इसलिए ठण्ड में बाहर कम समय बिताएँ।
- शीत लहर के संपर्क में आने पर शीत से प्रभावित अंगों के लक्षणों जैसे कि संवेदनशून्यता, सफ़ेद अथवा पीले पड़े हाथ एवं पैरों की उँगलियों, कान की लौ तथा नाक की ऊपरी सतह का ध्यान रखे।
- शीत लहर के अत्यधिक प्रभाव से त्वचा पीली, सख्त एवं संवेदनशून्य तथा लाल फफोले पड़ सकते हैं। यह एक गंभीर स्थिति होती है जिसे गैंगरीन भी कहा जाता है। यह अपरिवर्तनीय होती है। अतः शीत लहर के पहले लक्षण पर ही चिकित्सक की सलाह लें तथा तब तक अंगों को गरम करने का प्रयास करें।
- शरीर की गर्माहट बनाये रखने हेतु अपने सर, गर्दन, हाथ और पैर की उँगलियों को अच्छे से ढंके एवं पर्याप्त मात्रा में गर्म कपड़े जैसे- दस्ताने, टोपी, मफलर, एवं जल रोधी जूते आदि पहनें। शीत लहर के समय जितना संभव हो सके घर के अंदर ही रहें और कोशिश करें कि अतिआवश्यक हो तो ही बाहर यात्रा करें।
- इस समय विभिन्न प्रकार की बीमारियों की संभावना अधिक बढ़ जाती है, जैसे- फ्लू, सर्दी, खांसी एवं जुकाम आदि के लक्षण हो जाने पर चिकित्सक से संपर्क करें।
- पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों से युक्त भोजन ग्रहण करें एवं शरीर की प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं एवं नियमित रूप से गर्म पेय पदार्थ का अवश्य सेवन करें।
- कोहरे में मौजूद कण पदार्थ और विभिन्न प्रकार के प्रदूषक के संपर्क में आने पर फेफड़ों की कार्यक्षमता कम होने, खांसी और सांस की समस्या बढ़ने की संभावना है, अतः नियमित व्यायाम करे व मास्क का प्रयोग करे। वेक्टरजनित रोग जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकिनगुनिया से बचाव हेतु प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करे।
- वाहन को धीमी या औसत गति पर चलाये, अगली वाली गाड़ी से पर्याप्त दूरी बनाये रखे एवं फॉग लैंप का इस्तेमाल करे।
- मौसम की जानकारी तथा आपातकालीन प्रक्रिया की जानकारी का सूक्ष्मता से पालन करे एवं शासकीय एजेंसियों की सलाह के अनुसार कार्य करे।

कृषकों के लिए विशेष सलाह -

- ❖ गेहूँ एवं सरसों में सिंचाई को स्थगित करें ताकि फसल गिरने से बचे; रोगों को रोकने के लिए अनुशंसित फफूंदनाशकों का छिड़काव करें।
- ❖ चने के पौधों को सहारा देने के लिए बांस का उपयोग करें; फफूंद संक्रमण रोकने के लिए सुरक्षात्मक फफूंदनाशकों का छिड़काव करें।
- ❖ यदि फसलें परिपक्वता के करीब हैं, तो जल्दी कटाई करें ताकि नुकसान को कम किया जा सके।
- ❖ ओलावृष्टि के बाद नियमित रूप से खेतों का निरीक्षण करें, नुकसान का आकलन करें और समय पर सुधारामक उपाय करें।
- ❖ ऑर्किड/बागवानी फसलों जैसे संतरा, जामुन, फूल, सब्जियां आदि में हेलनेट का उपयोग करें।
- ❖ शीत लहर के दौरान प्रकाश और लगातार सिंचाई प्रदान करें। स्प्रेकलर सिंचाई से शीत लहर के प्रभाव को कम करने में सहायता मिलेगी।
- ❖ शीत लहर के दौरान पौधों के मुख्य तने के पास मिट्टी को काली या चमकीली प्लास्टिक शीट, घास फूस या सरकंडे की घास से ढंके। यह विकिरण अवशोषित कर मिट्टी को ठंडी में भी गर्म बनाये रखता है।
- ❖ गेहूँ की फसल में क्राउन रूट स्टेज (20-22 DAS) पर पहली सिंचाई करें तथा सरसों और चना में 35 से 40 DAS पर खेत में पर्याप्त नमी के लिए सिंचाई करें। पहली सिंचाई के बाद गेहूँ की फसल में टॉप ड्रेसिंग के रूप में यूरिया के रूप में अनुशंसित नाइट्रोजन उर्वरक की 1/3 मात्रा दें।
- ❖ कम तापमान के पूर्वानुमान के कारण रबी की फसलों में पाला पड़ने की संभावना है। इसलिए फसलों को पाले से बचाने के लिए रात में स्प्रेकलर से हल्की सिंचाई करें, खेत में धुआं पैदा करने के लिए खेत की मेड़ में कचरा जलाएं या 15 दिन के अंतराल पर 0.5 ग्राम/लीटर थायोयूरिया या 3.0 ग्राम/लीटर घुलनशील/गीला करने योग्य सल्फर या 0.05 से 0.1% सल्फ्यूरिक एसिड घोल का छिड़काव करें।

Action Suggested -

- Prolonged exposure to cold can cause serious brain damage, a condition called hypothermia. Loss of heat from the body can lead to shivering, difficulty speaking, insomnia, stiff muscles, breathing difficulties/ loss of consciousness. Seek immediate medical help in such a case.
- In cold weather, the blood vessels in your skin, fingers and toes become narrow, so the heart rate increases due to less heat and it becomes difficult for the heart to pump blood around your body. So spend less time outside in the cold.
- On being exposed to cold wave, keep an eye on the symptoms of cold affected body parts like numbness, white or yellow fingers and toes, ear lobes and upper surface of the nose.
- Due to excessive effect of cold wave, the skin may become yellow, hard and numb and red blisters may appear. This is a serious condition which is also called gangrene. It is irreversible. Therefore, consult a doctor at the first symptom of cold wave and till then try to warm the body parts.
- To maintain body warmth, cover your head, neck, fingers and toes properly and wear adequate warm clothes like gloves, cap, muffler, and water resistant shoes etc. During the cold wave, stay indoors as much as possible and try to travel outside only if it is absolutely necessary.
- During this time, the possibility of various types of diseases increases, such as flu, cold, cough and cold etc. Contact the doctor if you have these symptoms.
- Eat food rich in nutrients in sufficient quantity and eat fruits and vegetables rich in vitamin-C to maintain the immunity of the body and consume hot beverages regularly.
- There is a possibility of reduced lung function, increased cough and breathing problems due to exposure to particulate matter present in the fog and various types of pollutants, so exercise regularly and use a mask. ○ Follow guidelines issued by local administration to prevent spread of vector borne diseases.
- Drive the vehicle at a slow or average speed, maintain adequate distance from the vehicle in front and use fog lamps.
- Follow the weather information and emergency procedure information meticulously and work as per the advice of government agencies

Special advice for farmers -

- ❖ Suspend irrigation in wheat and mustard to avoid crop failure; Spray with recommended fungicides to prevent diseases.
- ❖ Use bamboo to support gram plants; Spray protective fungicides to prevent fungal infections.
- ❖ If crops are near maturity, harvest early to minimize losses.
- ❖ Regularly inspect fields after hailstorm, assess damage and take timely corrective measures.
- ❖ Use hailnet in orchards/horticulture crops like orange, berries, flowers, vegetables etc.
- ❖ Provide light and frequent irrigation during cold wave. Sprinkler irrigation will help in reducing the effect of cold wave.
- ❖ During cold wave, cover the soil near the main stem of the plants with black or shiny plastic sheet, straw or reed grass. It absorbs radiation and keeps the soil warm even in cold weather.
- ❖ Given first irrigation on wheat crop at crown root stage (20-22 DAS) and 35 to 40 DAS on mustard and chick pea for sufficient moisture in the field. After first irrigation given 1/3 dose of recommended nitrogenous fertilizer as urea as top dressing in wheat crop.
- ❖ Due to forecast of low temperature, created possibility of frost in rabi crops. Therefore for protection of crops from frost give light irrigation by sprinkler at night, burning of garbage in the bund of field for creating smoke in field or spraying of thiourea @ 0.5 g/l or soluble/ wettable sulphur @ 3.0 g/l or 0.05 to 0.1% sulfuric acid solution at 15 days interval.